**कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,**
**केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)**
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 01.02.2018

# गर्ल्स कॉलेज में आम बजट पर चर्चा
## आर्थिक विकास की मजबूती पर आधारित बजट

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 2018–19 के आम बजट पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

लोकसभा में वित्तमंत्री श्री अरूण जेटली द्वारा प्रस्तुत आम बजट पर चर्चा की शुरूआत करते हुए डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि इस बजट में राजकोषीय लक्ष्यों की पूर्ति के साथ ही कृषि क्षेत्र को लाभ, रोजगार उपलब्धियों, आर्थिक विकास को गति प्रदान करने की कोशिश की गयी है।

राजकोषीय घाटे को घटाकर जीडीपी 3.3% करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होनें कहा कि उज्जवला योजना, सौभाग्य योजना के साथ ही पशुपालन, मत्स्य पालन के कोषों में वृद्धि स्वागतेय है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि शिक्षा में आधारभूत सुधार, एवं अनुसंधान अध्येयता कार्यक्रम से विद्यार्थियों को लाभ होगा वहीं शिक्षकों के लिए एकीकृत बी.एड. कार्यक्रम तथा आदिवासी इलाकों में एकलव्य मॉडल स्कूल की स्थापना सराहनीय कदम है।

वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. के.एल.राठी ने इस बजट को आर्थिक सुधारों वाला बजट बताया। उन्होनें बताया कि बजट में ग्रामीण विकास का लक्ष्य रखा गया है। ग्रामीण आवास योजना के जरिए गरीबों, को लाभ मिलेगा वहीं स्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना, गरीब परिवारों के लिए 5 लाख रूपये का कव्हरेज, आयुष्मान भारत कार्यक्रम इस बजट की महत्वपूर्ण योजनाएँ है।

बजट पर चर्चा करते हुए डॉ. शशि कश्यप ने कहा कि कृषि क्षेत्र में उठाये गये कदमों से किसानों को लाभ होगा। उन्होनें बताया कि किसानों के लिए संपदा योजना, सिचाई परियोजना, फसल कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान रखा गया है। अर्थशास्त्र की प्राध्यापक डॉ. सीमा अग्रवाल ने भी राष्ट्रीय प्रशिक्षु कार्यक्रम के तहत 50 लाख युवाओं को वजीफा तथा रोजगार सृजन की दिशा में किए गए प्रयासों को हितकारी बताया।

आयकर छूट सीमा पर परिवर्तन नहीं करने से जरूर नौकरीपेशा का मायूसी रही है तो वहीं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है।

डॉ. मिलिन्द अमृतफले ने भी चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि उड़ान योजना, डिजिटल इंडिया व नभनिर्माण की योजनायें आर्थिक विकास की दिशा में बेहतर कदम है। डॉ. मुक्ता बाखला ने कहा कि सड़क परिवहन में भारतमाला योजना तथा रेल्वे के अंतर्गत सुरक्षा पर जोर को आवश्यक बताया गया है।

गोष्ठी का संचालन करते हुए डॉ. राठी ने कहा कि कुल मिलाकर यह बजट अधोसंरचना विकास तथा किसानों को गरीबों को लाभ पहुंचाने वाला बजट है जो कि निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा। गोष्ठी में डॉ. व्ही.के. वासनिक, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी तथा प्राध्यापकों ने भाग लिया।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य